IJRAR.ORG E-ISSN: 2348-1269, P-ISSN: 2349-5138

INTERNATIONAL JOURNAL OF RESEARCH AND ANALYTICAL REVIEWS (IJRAR) | IJRAR.ORG

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं वैकल्पिक शिक्षा

संध्या शाही

शोधार्थी

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय ,पटना

सारांश

प्रस्तुत शोध आलेख राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में वैकल्पिक शिक्षा की अवधारणा एवं उसकी आवश्यकता पर केंद्रित है | शोध आलेख मुख्यतः इन तथ्यों के ऊपर अपनी बात रखता है कि विभिन्न नीतियों एवं योजनाओं के संयोजित रूप से विगत कई दशकों से चलते रहने के बाद भी शिक्षा की पहुंच सभी तक नहीं बन पाई है |अभी भी बहुत सारे बच्चों का नामांकन विद्यालय में नहीं है या फिर शिक्षा पूरी करने से पहले ही वह विद्यालय से बाहर हो जाते हैं | इन वास्तविक तथ्यों के आलोक में वैकल्पिक शिक्षा बदलती परिस्थितियों के साथ विद्यालय से बाहर हो चुके बच्चों को शिक्षा से जोड़े रखने का काम कर रही है|

प्रस्तावना

NEP 2020 शिक्षा सम्बन्धी अपने लक्ष्यों के प्राप्ति हेतु वैकल्पिक शिक्षा को समर्थन देने की बात करते हुए कहती है कि- हमारा उद्देश्य बहु अनुशासनिक और समग्र शिक्षा एक बहु विषयक,दुनिया के लिए विज्ञान, समाजिक विज्ञान, कला, मानविकी और खेल में ज्ञान की एकता और अखंडता को सुनिश्चित करना है | हम छात्रों के लिए वैकल्पिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का समर्थन करते हैं एवं इसके लिए सभी मूल्यांकन प्रणालियों मैं जिनमें अंतिम प्रमाणन भी शामिल है को CBCS के लिए संशोधित करने का विचार करते हैं | मूल्यांकन के मामलों पर भी नवाचार करने की इच्छा रखते हैं |यह पूर्ण प्रयास होगा कि सभी छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाले सहायता केंद्र, पेशेवर शैक्षणिक और कैरियर परामर्श उपलब्ध कराए जाए | सभी कार्यक्रमों और विषयों में ऑनलाइन और ओडीएल मोड में छात्र समर्थन गुणवत्ता को प्राप्त करना भी हमारा लक्ष्य होगा |साथ ही साथ नई शिक्षा नीति यह भी सुनिश्चित करना चाहती है कि वह बच्चे जो 6 से 17 वर्ष के बीच की उम्र के हैं और विद्यालय नहीं जा पाते हैं या जिनका विद्यालय बीच में ही छूट जाता है इन बच्चों को यथासंभव पुनः शिक्षा प्रणाली में शीघ्र वापस लाना देश की सर्वोच्च प्राथमिकता है|(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020)

शिक्षा के इस औपचारिक रूप के प्रचार और प्रसार के लिए विगत कई दशकों में अनेक योजनाएँ बनी और अनेक संस्थाओं ने काफी परिश्रम किया | वर्तमान में जब हम अपने पुराने कार्यों के परिणाम पर नजर

डालते हैं तो हम पाएँगे कि अभी भी हम अपेक्षित लक्ष्य से काफी दूर हैं | यूँ तो शिक्षा अपने साथ कई लक्ष्यों को लेकर चलती है परन्तु समान्य परिप्रेक्ष्य में देखें तो इसका एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य यह भी है कि इसकी पँहुच प्रत्येक नागरिक तक हो लेकिन वर्तमान परिदृश्य का अवलोकन करने पर यह दिखता है कि ऐसा अभी तक संभव नही हो पाया है |

शोध का औचित्य

वर्तमान समय में शिक्षा का औपचारिक रूप बदलाव की माँग करता है हमारे पूर्व के प्रयासों को देखते हुए यह आवश्यक हो चला है कि अपने लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु,सभी तक शिक्षा का प्रकाश पँहुचाने हेतु हमें और भी रास्ते तलाशने होंगे और इसी कड़ी में हमे वैकल्पिक शिक्षा की और भी देखना होगा |वैकल्पिक शिक्षा वर्तमान परिदृश्य की मांग है |यह वर्षों से चले आ रहे परम्परागत तरीके को चुनौती देता है और हमारे समक्ष एक और रास्ता रखता है शिक्षा सम्बन्धी अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का। साथ ही साथ हमारे समाज का वह वर्ग जो वंचित है एवं अभी भी मुख्य धारा में सम्मिलित नही है उनके लिए वैकल्पिक शिक्षा वरदान के समान है |

शोध उद्देश्य

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में वैकल्पिक शिक्षा की आवश्यकता एवं महत्व समझना

शोध विधि

शोधकर्ता ने इस आलेख के लिए वर्णात्मक अनुसन्धान विधि का प्रयोग किया है |

वैकल्पिक शिक्षा के विभिन्न प्रतिमान

दिगंतर

प्रारंभिक शिक्षा में वैकल्पिक शिक्षा के अंतर्गत "दिगंतर" एक बेहतरीन उदाहरण है |यह विद्यालय रोहित धनकर और रमेश धान्वी के द्वारा 7 बच्चों के साथ शुरू किया गया था और आज इस विद्यालय की पँहुच 500 गांव के बच्चों तक है | यह विद्यालय किताबों, प्रशिक्षण पैकेज और शिक्षण विधियां में नवाचार का प्रयोग करते हुए बच्चों को सीधे-सीधे फायदा पहुंचता है |

ऋषि वैली एजुकेशन सेंटर

कृष्णमूर्ति फाउंडेशन द्वारा संचालित ऋषि वैली एजुकेशन सेंटर जो कि ग्रामीण आंध्र प्रदेश में स्थित है ,यह विद्यालय भी कृष्णा कृष्णमूर्ति की शिक्षा दृष्टि की भावना में शिक्षा के लिए विभिन्न कार्यक्रम, सामुदायिक सेवा आदि गतिविधियां करवाता है | विद्यालय में पाठ्यक्रम के अलावा पर्यावरण,कला संगीत और बच्चों की रुचि के अनुसार कौशलों के साथ उनको विकसित करना शामिल है |

मीराम्बिका विद्यालय

श्री अरविंदो के दर्शन पर आधारित मीराम्बिका विद्यालय भी वैकल्पिक शिक्षा का एक बेहतरीन संस्थान है जो प्रत्येक व्यक्ति के भीतर एक भिन्न विकासवादी उद्देश्य और क्षमता के साथ उसको शिक्षित करने के श्री अरविंदो के सिद्धांत के ऊपर चलता है|

ऋषिकुलशाला

ऋषिकुलशाला एक परिचय : आमतौर पर शिक्षा के बारे में हमारी समझ स्कूल के इर्द-गिर्द ही घूमती रहती है, और हम स्कूल जाने को ही शिक्षा समझ बैठते हैं | शिक्षा के प्रति यह सोच बेहद संकीर्ण है और शिक्षा के किसी भी उद्देश्य को प्राप्त करने में मदद नहीं करती| दरअसल शिक्षा का संबंध जीवन से है और एक सार्थक व गुणवत्तापूर्ण जीवन जीने से है | लेकिन शिक्षा जीवन जीने की तैयारी नहीं है बल्कि शिक्षा जीवन जीना ही है | इसका कारण है कि हम यह विभेद नहीं कर सकते कि कब ,कहां हम जीने को सीख रहे हैं, उसकी तैयारी कर रहे हैं |अतः शिक्षा को जीवन के साथ ही देखने की जरूरत है और जीवन स्वयं में एक व्यापक अवधारणा है

ऋषिकुलशाला पावन चिंतन धारा के युवा अभ्युदय मिशन का सेवा प्रकल्प है | वस्तुतः ऋषिकुलशाला हासिए वाले समाज के बच्चों को शिक्षित कर समाज के मुख्यधारा में शामिल करने का एक देशव्यापी अभियान है | ऋषिकुलशाला के मूल में एक शिक्षा दर्शन है जो शिक्षा को एक ऐसा साधन मानता है जो समाज की मुख्यधारा से कटे हुए, हासिए पर आने वाले वर्ग के बच्चों को समाज से जोड़ता है |यह बच्चे समाज की मुख्यधारा का हिस्सा तब बन पाएंगे जब उन्हें स्वयं पर विश्वास होगा और इसके लिए आवश्यक है कि उन्हें अच्छी शिक्षा प्रदान की जाए | ऋषिकुलशाला एक प्रकार से शिक्षा का अनौपचारिक रूप है | जिसका प्रारंभ 2011 से हुआ है| डॉ श्री गुरु पवन सिन्हा जी ने ऋषिकुलशाला के माध्यम से शिक्षण के एक अनौपचारिक तरीके को विकसित किया जिसमें उनका वर्षों का अनुभव और ज्ञान शामिल था| इस तरह से पारंपरिक बनाम आधुनिक शिक्षा प्रणाली के द्वारा उन्होंने ऋषिकुलशाला का बीज बोया | वे मानते हैं कि पूर्ण व्यक्तित्व का मुख्य विकास अध्यात्मिक और अनौपचारिक शिक्षा पर निर्भर करता है| अनौपचारिक शिक्षा प्रणाली के द्वारा प्रोजेक्ट ऋषिकुलशाला में 14 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों को शिक्षित करने का संकल्पबद्ध प्रयास शुरू किया गया है जो समाज के हाशिए पर खड़ा वर्ग है | प्रोजेक्ट ऋषिकुलशाला का आधार यह चिन्तन है कि समाज के हाशिए पर खड़े वर्ग के बच्चे को उन बच्चों के बराबर अधिकार मिल सके जो अपेक्षाकृत मजबूत होते हैं | उन बच्चों के सर्वांगीण विकास यानी उनके शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक विकास के लिए एक उचित वातावरण का निर्माण करने की आवश्यकता है ताकि वह आत्मनिर्भर व्यक्तित्व के रूप में विकसित हो सके| डॉ श्री गुरु पवन सिन्हा जी का मानना है कि जिस देश समाज ने हमें बहुत कुछ दिया है उस देश समाज के प्रति हमारा कर्तव्य निर्वहन का दायित्व बनता है |हम देश समाज को जिस रूप में देखना चाहते हैं उसका एकमात्र रास्ता शिक्षा से गुजरता है |अतः देश के हर बच्चे को शिक्षित करना हमारा दायित्व है | ऋषिकुलशाला में 8 से 14 साल तक की आयु वर्ग के बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं | इसमें तीन तरह के बच्चे शामिल होते हैं

*जो कभी स्कूल नहीं गए

* जिन्होंने स्कूल जाना छोड़ दिया है

*जो किसी भी तरह के स्कूल में जाते हैं

इन बच्चों के बारे में यह समझना आवश्यक है कि बच्चे समाज के उस वर्ग से आते हैं जिनके पास जीवन जीने की बुनियादी सुविधाएं भी नहीं है और जो परिवार को आर्थिक संकटों से मुक्ति दिलाने के लिए काम करने को विवश है|

निष्कर्ष

इस प्रकार उपरोक्त विमर्श के अनुसार हम यह देखते हैं कि पूर्व के विभिन्न शिक्षा नीतियों एवं आयोगों के अनुरूप ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी यह मानती है कि शिक्षा की सार्वभौमिक पहुंच होनी चाहिए | विभिन्न बाधाओं के कारण यदि बच्चों तक शिक्षा अपने संपूर्ण रूप में नहीं पहुंच पा रही है तो हमें उसके विकल्पों की ओर देखना होगा | इस रूप में वैकल्पिक शिक्षा हमें वह सुविधा प्रदान करती है कि हम उन बच्चों को, जो विद्यालय जाने से छूट गए या सुविधा से वंचित होने के कारण विद्यालय नही पँहुच पाए उन्हें शिक्षा की सुविधा प्रदान कर सकते हैं और उनके जीवन के रास्ते भी आगे की ओर खोल सकते हैं | उनके जीवन को भी प्रकाशमय बना सकते हैं | अतः वैकल्पिक शिक्षा के महत्व को एवं इसकी आवश्यकता को समझते हुए हमें इस और भी ध्यान देने की आवश्यकता है| तभी हम शिक्षा के वास्तविक लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं |

सन्दर्भ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020,मानव संसाधन विकास मंत्रालय,भारत सरकार vitachi sarojiny ,raghvan neerja ,raj kiran : (2007) Alternative schooling in india : sage pablications

BHATAGAR ANITA :(2000)ALTERNATIVE CONTEXTUAL HIERARCHICAL POLICIES FOR PRIMARY EDUCATION AND THEIR FUZZY DOMINANCE: Department of Pedagogical Sciences

shodh ganga inflibnet .com

www. Mirambika.Com

www.digantar.com

www.rishivallyschool.com